CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

जोरहाट पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग ने पशुओं का टीकाकरण अभियान चलाया

जोरहाट जिला पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग ने जिला प्रशासन द्वारा घोषित आपदा तैयारी के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत विभाग एफएमडी और ब्रुसेलोसिस के खिलाफ टीकाकरण के लिए सभी जानवरों को कवर करने की कोशिश कर रहा है। एफएमडी - खुरपका और मुंहपका रोग, जिसे लोकप्रिय रूप से 'चाबाका' के नाम से जाना जाता है, एक वायरल संक्रमण है जो सभी विदीर्ण पैरों वाले जानवरों को संक्रमित करता है

ब्रुसेलोसिस एक अन्य जीवाणु रोग है जो जानवरों के सभी घोषित समूहों को भी संक्रमित करता है जिससे प्रजनन क्षमता और गर्भकालीन समस्याएं होती हैं। इन दोनों बीमारियों को खत्म करने के लिए भारत सरकार एनएडीसीपी के तहत इन दोनों बीमारियों के लिए लगातार टीकाकरण की योजना बना रही है। आपदा की तैयारी और महामारी को नियंत्रित करने के लिए विभाग ने एफएमडी के लिए 1.1 लाख से अधिक मवेशियों और भैंसों और ब्रुसेलोसिस के लिए 20,451 बछियों का टीकाकरण किया। ब्रुसेलोसिस का टीका केवल गैर-गर्भवती युवा महिलाओं को लगाया जाता है

दुग्धसंघ किसानों को उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा

एर्नाकुलम क्षेत्रीय सहकारी दुग्ध संघ किसानों को अनुदान के रूप में करोड़ और तीन साल की अवधि में ब्याज मुक्त ऋण के रूप में वितरित करेगा ताकि किसानों को डेयरी उत्पादन में वृद्धि से लेकर भंडारण और गुणवत्ता आश्वासन तक के मुद्दों का समाधान करने में मदद मिल सके। क्षेत्रीय दुग्ध सहकारी समिति को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) से परियोजना के लिए धन प्राप्त हुआ है, क्योंकि पूर्व में पिछले साल 'होनहार दुग्ध संघ' के रूप में चुना गया था।

दुग्ध संघ किसानों को उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद करेगा
जिलों में कुल 3.5 लाख पंजीकृत किसान हैं। इस क्षेत्र में अब एक दिन में लगभग 4.25 लाख लीटर दूध की बिक्री होती है, जबकि खरीद का स्तर लगभग 3.40 लाख लीटर है। स्थानीय दूध की खरीद प्रतिदिन लगभग 10,000 लीटर बढ़ गई है

यह कार्यक्रम अब अलंगड और करुमल्लूर पंचायतों में लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए कुल एक लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

जयपुर नगर निगम-ग्रेटर 563 डेयरी बूथ शुरू करने जा रहा है

लॉटरी प्रक्रिया में, जेएमसी-ग्रेटर के लिए स्वीकृत बूथों की संख्या से चार गुना आवेदन निकाले गए। जेएमसी-क्रिएटर क्षेत्र के लिए, 563 डेयरी बूथ स्वीकृत किए गए हैं, जबकि इस वर्ष 19,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे।

जेएमसी-ग्रेटर एरिया में 563 डेयरी बूथों के लिए कुल 19,905 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदनों की जांच के बाद, 7,000 से अधिक आवेदनों को खारिज कर दिया गया और शेष 11,235 आवेदनों की लॉटरी निकाली गई।

राज्य सरकार ने अपने बजट 2022-23 में राज्य में 5,000 डेयरी बूथों के आवंटन की घोषणा की थी। जयपुर नगर निगम क्षेत्र में 1,144 सहित अधिकतम डेयरी बूथ आवंटित करने का प्रावधान था। जेएमसी-ग्रेटर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों में अधिकारियों ने इन बूथों के लिए एनओसी के लिए ट्रैफिक पुलिस को लिखा है। 563 में से 400 से अधिक बूथों के लिए एनओसी दी जा चुकी है और 140 लंबित हैं।

गांठदार चर्म रोग से लड़ने के लिए राजस्थान का पशुपालन विभाग कमर कस चुका है

राज्य में ढेलेदार त्वचा रोग वापस आ गया है, और विभिन्न जिलों से कुछ मामले सामने आने के बाद पशुपालन विभाग इससे लड़ने के लिए कमर कस रहा है। यह पिछले साल जुलाई में फूटा और सितंबर तक नरम पड़ गया। गैर-सरकारी संगठनों के आंकड़ों के अनुसार, इस वायरल बीमारी ने 76,000 से अधिक गोवंशों की जान ले ली। विभाग के सचिव कृष्ण कुणाल ने प्रभावित जिलों में मवेशियों का टीकाकरण शुरू करने का निर्देश दिया है.

राजस्थान सहकारी डेयरी महासंघ की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने भी इसी तरह के आदेश दिए हैं। पशुपालकों को साफ-सफाई रखने के लिए कहा जाए। उन्होंने कहा कि यह बीमारी मवेशियों से इंसानों में नहीं बल्कि दूसरे जानवरों में फैलती है।
जयपुर सहित सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 24 अप्रैल को शुरू की गई और 30 जून तक जारी रहने वाली राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंहगाई-राहत शिविरों या "मेहंगई राहत" शिविरों में, पशुपालन करने वालों में से प्रत्येक को दो दुधारू बच्चों के लिए 40,000 रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत गाय

इस पर सालाना 750 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इससे 20 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभ होगा। यह योजना 8 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की वार्षिक आय वाले पालकों के लिए निःशुल्क है, जबकि इससे अधिक आय वालों के लिए प्रति वर्ष 200 रुपये प्रति पशु का भुगतान करना होगा। पिछले साल इस बीमारी के कारण राज्य में दुग्ध उत्पादन में 15-20 फीसदी की गिरावट आई थी।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 10 प्रतिशत अकेले पशुधन क्षेत्र का योगदान है। 2012 की पशुधन गणना के अनुसार, पशुधन की आबादी 57-73 मिलियन थी, जिसमें मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, सूअर, ऊंट, घोड़े और गधे शामिल हैं। राजस्थान में देश की मवेशियों की आबादी का लगभग 7 प्रतिशत है और दूध उत्पादन में 12.72 प्रतिशत से अधिक का योगदान है।

सरकार वितरित अक्षय ऊर्जा के आजीविका अनुप्रयोगों के लिए योजना शुरू करेगी: ऊर्जा मंत्री आर के सिंह

हाल ही में यहां एक कार्यक्रम में केंद्रीय बिजली और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने कहा कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा के वितरित अनुप्रयोगों के आजीविका अनुप्रयोगों के लिए एक नई योजना लाने के लिए तैयार है।

"सरकार डीआरई आजीविका उपकरण को किफायती बनाने की योजना बना रही है। इसका एक पहलू बैंकों के साथ गठजोड़ होगा। यदि कोई परिवार सोलर ड्रायर का मालिक बनना चाहता है, तो उन्हें बैंकों से वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए, हम इस दिशा में काम करेंगे।"

हमारी सरकार नवीकरणीय ऊर्जा के वितरित अनुप्रयोगों के लिए एक नई योजना लेकर आ रही है। जमीनी स्तर पर पहले से ही काफी काम हो रहा है और हमारी योजना से देश भर के लाखों परिवारों को लाभ मिल सकता है। हालांकि, हमें कीमतों को कम करने और क्षेत्र का विस्तार करने के लिए आरई के वितरित अनुप्रयोगों के बड़े पैमाने पर निर्माण और मानकीकरण की आवश्यकता होगी।"

सिंह ने कहा, "जिस तरह रूफटॉप सौर और सौर सिंचाई पर हमारा एक बड़ा कार्यक्रम है, हम डीआरई आजीविका के लिए एक बड़ा कार्यक्रम तैयार करेंगे।" वह ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद और विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन की पावरिंग लाइवलीहुड्स पहल द्वारा आयोजित पॉवरिंग सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे।

मदर्स डे स्पेशल: सुपरमॉम के डेयरी व्यवसाय ने सीतापुर गांव का उत्थान किया, महिलाओं को बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने में मदद की

सीतापुर की एक सुपर मॉम सुधा पांडे ने न केवल अपने चार बेटों बल्कि गायों की भी देखभाल की, यह सुनिश्चित करते हुए कि गाँव की अन्य महिलाओं के पास अपने बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने की वित्तीय क्षमता थी। कुंवरपुर गांव के निवासी, पांडे को अब पुरस्कार विजेता उद्यमी, नौकरी प्रदाता और महिला सशक्तिकरण के लिए एक कार्यकर्ता के रूप में क्षेत्र के लोगों द्वारा सराहा जाता है।

जबकि पांडे, जो अब अपने शुरुआती पचास के दशक में हैं, को कभी भी प्राथमिक स्तर से आगे पढ़ने का मौका नहीं मिला, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके चारों बेटों को सही शिक्षा मिले। उनकी दैनिक जरूरतों का ख्याल रखने के अलावा, उन्होंने अपनी छोटी गौशाला को 2002 में गठित स्वयं सहायता समूह की 11 महिलाओं को रोजगार देने वाले एक पुरस्कार विजेता डेयरी व्यवसाय में बदलने के लिए बहुत मेहनत की।

अपने व्यावसायिक कौशल का श्रेय, उन्होंने जैविक खाद बनाने और किसानों को बेचने के लिए अपने शेड से गाय के गोबर का उपयोग करना भी शुरू किया। आखिरकार, उसने गोमूत्र बेचना भी शुरू कर दिया। अपने फलते-फूलते व्यवसाय के कारण, पांडे को क्षेत्र में सर्वाधिक दूध उत्पादन के लिए दिए जाने वाले गोकुल पुरस्कार से छह बार सम्मानित किया जा चुका है। 2021 में, उन्होंने न केवल गोकुल पुरस्कार जीता, बल्कि देशी नस्ल की गायों के संरक्षण के लिए नंद बाबा पुरस्कार भी जीता, एक उपलब्धि जो उनके समर्पण को दर्शाती है।

2002 में, मैंने स्वर्ण रोज़गार योजना के तहत ऋण प्राप्त करने के लिए 11 अन्य महिलाओं के साथ एक स्वयं सहायता समूह बनाया। हालाँकि, हमें ऋण प्राप्त करने में तीन साल लग गए क्योंकि बैंक कर्मचारी पैसे वापस करने की हमारी क्षमताओं के बारे में दुविधा में थे। ऋण मिलने के बाद, हमने एक डेयरी व्यवसाय शुरू किया," पांडे ने अपने संघर्षों को याद करते हुए कहा।

तेलंगाना सरकार पशु चिकित्सकों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच करेगी और उनका समाधान करेगी

मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए विशेष सीएस अधर सिन्हा को मुद्दों की पूरी तरह से जांच करने और उन्हें संबोधित करने के प्रस्तावों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा पशुपालन, मत्स्य और डेयरी विकास मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने बुधवार को उठाए गए मुद्दों को उठाने का आश्वासन दिया। पशु चिकित्सा सहायक सर्जनों ने पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए विशेष मुख्य सचिव अधार सिन्हा को मुद्दों की पूरी तरह से जांच करने और उन्हें संबोधित करने के प्रस्तावों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा।

उन्होंने दूरदराज के गांवों में भेड़ वितरण, टीकाकरण अभियान और सेवाएं प्रदान करने सहित कई सरकारी कार्यक्रमों को लागू करने में पशु चिकित्सकों की भूमिका की सराहना की। राज्य सचिवालय में अपने कक्ष में आयोजित बैठक के दौरान, TVASSA के प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक सुविधा के लिए राज्य में जिलों, राजस्व मंडलों और मंडलों के पुनर्गठन जैसी पहलों की सराहना की।

उन्होंने पशुपालन विभाग के निदेशक रामचंदर, TSVAS एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णुवर्धन गौड़, महासचिव चंद्रशेखर रेड्डी, तेलंगाना पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष रमेश, महासचिव मधुसूदन गौड़ सहित आवारा कुत्तों और बंदरों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए मंत्री से नगर पालिकाओं में एक समर्पित विभाग स्थापित करने का भी आग्रह किया। व अन्य बैठक में शामिल हुए। आवश्यक चिकित्सा सेवाएं और निगरानी प्रदान करना।

उन्होंने मंत्री से पशुधन सेवाओं में सुधार के लिए उचित नियुक्तियां सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने अधिक पदों को सृजित करने और विस्तारित अवधि के लिए पदोन्नति के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए पशुपालन विभाग को पुनर्गठित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सीईडीएसआई ने हेरिटेज फूड्स लिमिटेड के दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षण के लिए एक अपस्किलिंग कार्यक्रम आयोजित किया है।

डेयरी उद्योग में पेशेवरों की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास में, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डेयरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI) ने हेरिटेज फूड्स लिमिटेड के फील्ड स्टाफ के लिए 3-दिवसीय अपस्किलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम प्रदान करने पर केंद्रित था। दुग्ध अधिप्राप्ति और इनपुट पर्यवेक्षक की नौकरी की भूमिकाओं में फील्ड स्टाफ को अपस्किलिंग प्रशिक्षण। यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता साबित हुआ, प्रतिभागियों को उन्नत ज्ञान और कौशल के साथ दूध खरीद प्रक्रियाओं का अनुकूलन करने और इनपुट आपूर्ति को कुशलता से प्रबंधित करने के लिए तैयार किया गया। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र के सांगवी में 15 मई 2023 से 17 मई 2023 तक आयोजित किया गया था जहां कुल 39 फील्ड स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया था।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI : रिविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया